Dainik Bhaskar (Indore), 04th April 2024, Page - 06

टेक्नोलॉजी से आत्मनिर्भरता • आरआर कैट, आईआईटी इंदौर और एसजीएसआईटीएस में हार्डवेयर पर जोर

इंदौर में 30 स्टार्टअप इंडस्ट्री ऑटोमेशन में कर रहे काम

भास्कर संवाददाता | इंदौर

एक लाख आरपीएम की मोटर बना रहे इंदौर के युवा, देशभर में एकमात्र ऐसा प्लांट

इंडस्ट्री 4.0, यानी चौथी औद्योगिक क्रांति... जिसमें इंटरनेट ऑफ थिंग्स, रोबोट और अन्य मशीनों के जरिए पूरा परिदृश्य बदलने जा रहा है। ऐसे में इंदौर के स्टार्टअप भी अलग-अलग इन्क्यूबेशन सेंटर्स से जुड़ रहे हैं।

10 प्रोडक्ट्स बाजार में ला चुका है आरआर कैट, 5 अलग-अलग वैरिएंट बाजार में लॉन्च हो चुके

10 स्टार्टअप टेक्नोलॉजी निर्माण कर रहे हैं, ये आईआईटी इंदौर के फाउंडेशन से जुड़े हैं

30 स्टार्टअप SGSITS में डीप टेक को बढ़ावा देने टेक्नोलॉजी विकसित कर रहे

इंदौर में अब 30 ऐसे स्टार्टअप हो चुके हैं जो इंडस्ट्री ऑटोमेशन के क्षेत्र में अपना काम कर रहे हैं और इनकी कमान युवाओं के हाथों में है। मुख्य रूप से आरआर कैट, आईआईटी इंदौर और एसजीएसआईटीएस में ऐसी रिसर्च को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिनमें कोई हार्डवेयर प्रोडक्ट बनाया जा सके।

पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और विशेष रूप से वो मशीनें जिनमें स्पीड का काम होता हैं, उनमें लगने वाले एक जरूरी उपकरण- हाई स्पीड वेरिएबल फ्रीक्वेंसी ड्राइव (वीएफडी) मोटर को बनाने का काम कर रहे हैं शहर के दो युवा मनोज मोदी और अर्जुन यादव। 1 लाख आरपीएम की वीएफडी बनाने वाली देश की यह एकमात्र कंपनी है। साधारण वीएफडी अधिकतम 3 हजार आरपीएम की स्पीड पर चलती है, जिसे बनाने

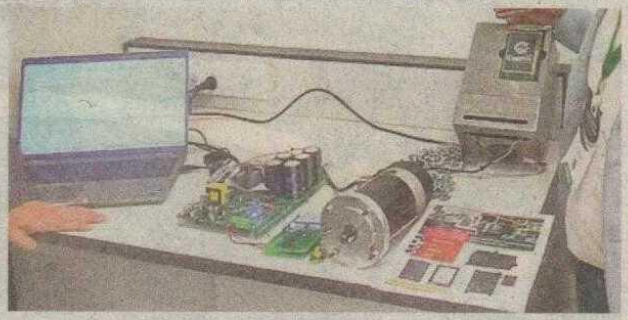

वाली हजारों कंपनियां हैं, लेकिन 1 लाख आरपीएम की वीएफडी बनाने वाली भारत में कोई कंपनी नहीं है। इसलिए मनोज और अर्जुन के इस स्टार्टअप को भारत सरकार के मिनिस्ट्री ऑफ हेवी इंडस्ट्रीज की तरफ से एक साल पहले 7.5 करोड़ रुपए की ग्रांट भी मिल चुकी है।

मनोज बताते हैं कि उन्होंने 12-15 साल अलग-अलग शहरों और देशों में नौकरी करने के बाद 2020 में देवास आकर अपना काम शुरू करने की ठानी और पहले देवास की फैक्टरी में स्ट्रीट लाइट, पोल लाइट और आउटडोर लाइट बनाना शुरू किया। इसके बाद धीरे-धीरे पावर इलेक्ट्रॉनिक्स में प्रवेश किया।

आईआईटी इंदौर

आईआईटी इंदौर के फाउंडेशन दृष्टि साइबर फिजिकल सिस्टम में 61 स्टार्टअप हैं, जिनमें से 10 स्टार्टअप इंडस्ट्री 4.0 के क्षेत्र में हैं और टेक्नोलॉजी निर्माण कर रहे हैं। इनमें कई स्टार्टअप ऐसे भी हैं जो इंडस्ट्री में नहीं, लेकिन मेडिकल या सामाजिक क्षेत्र के लिए ऐसे उपकरण बना रहे हैं। इनकी डिजाइनिंग और मैन्युफैक्चरिंग इंदौर में ही की जा रही है। दृष्टि सीपीएस के सीईओ आदित्य एसजी व्यास ने बताया, आईआईटी इंदौर में मौजूद वर्कशॉप और टेस्टिंग लैब की मदद से कई युवाओं के स्टार्टअप हैं, जिन्हें जरूरी सुविधाएं यहां दे पा रहे हैं। आईआईटी इंदौर में एक सेंटर फॉर ट्रांसलेशनल रिसर्च की स्थापना हुई है। आईआईटी इंदौर को अब तक 70 पेटेंट मिल चुके हैं।

आरआर कैट

अपनी तकनीक के आधार पर अब तक 10 प्रोडक्ट्स बाजार में ला चुकी है। 18 कंपनियां कैट से जुड़ी हैं। कुछ टेक्नोलॉजी ऐसी हैं, जिनके 5 अलग-अलग वैरिएंट बाजार में लॉन्च हुए हैं। आरआर कैट के इन्क्यूबेशन सेंटर पाई हब से जो 18 इन्क्यूबेटी जुड़े हैं, उनमें से 12 स्टार्टअप और एमएसएमई हैं, जो 10 प्रोडक्ट्स लॉन्च हुए हैं। इनमें मुख्य रूप से इयरोलाइट, नेसोलाइट, अग्निरक्षक, ऑन्कोडाईग्नोस्कोप, ट्यूबरक्लोस्कोप, नीलभस्मी, लिनैक, लेजर एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग आधारित 3डी प्रिंटर, CO2 लासेर्स को उनका जीवन समाप्त होने के बाद वापस से उपयोगी बनाने की मशीन शामिल हैं । ये सभी प्रोडक्ट बाजार में लाए जा चुके हैं।

एसजीएसआईटीएस

ईवी बैटरीज की डिजाइनिंग और मैन्युफैक्चरिंग भी यहीं

शहर के इंजीनियरिंग कॉलेज एसजीएसआईटीएस में भी डीप टेक को बढ़ावा देने के लिए इन्क्यूबेशन फाउंडेशन बनाया गया हैं, जहां कुल 30 स्टार्टअप शामिल हैं। इनमें से आठ खुद की टेक्नोलॉजी विकसित कर रहे हैं। संस्था के निदेशक प्रो. आरके सक्सेना ने बताया कि संस्था में छात्र और स्टार्टअप ईवी बैटरीज को और बेहतर बनाने पर काम कर रहे हैं। खुद बैटरी बनाकर उनकी डिजाइनिंग और मैन्युफैक्चरिंग भी यहीं की जा रही है। साथ ही सोलर पैनल की आयु समाप्त होने के बाद उन्हें रीसाइकल करने जैसे आइडियाज पर भी काम हो रहा है।